INS
THE INDIAN NEWSPAPER SOCIETY
Member
The Indian Newspaper Society

वर्ष III अंक 7
मई 2018
कुल पष्ठ संख्या : 132
(आवरण सहित)
मूल्य ₹50

संपादक
डॉ. संजय
कार्यकारी संपादक
डॉ. पवन कुमार
सहायक संपादक
जावेद आर सिद्दीकी
अनुसंधान टीम
एम टायरा
नागेन्द्र कुमार सिन्हा
के कुन्दन
नरेन्द्र कुमार
राजीव कुमार सिंह
रवि रंजन
आशुतोष महाराज
उमाकांत शुक्ला
सलाहकार संपादक
चेतनानंद सिंह
ग्राफिक्स, लेजर टाइपसेटिंग एवं आवरण सज्जा
अभ्यानन्द सिन्हा, प्रमोद झा,
पंकज नारंग, के.बी. सिंह

बीएससी पब्लिशिंग कं. प्रा. लि.
के लिए प्रकाशक और मुद्रक
मनोज कुमार द्वारा
एल.बी. इंटरप्राइजेज,
जी-24, गांव-गागीपुर,
दिल्ली-110096 से मुद्रित व
सी-37, गणेश नगर,
पांडव नगर कॉम्पलेक्स,
दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **डॉ. संजय**

दो शब्द.....

सफलता मात्र संयोग का नाम नहीं है। यह दष्टिकोण का परिणाम है। पूर्ण समर्पण से ही सच्ची सफलता अर्जित की जा सकती है। सफलता कोई रहस्य नहीं, वरन् कुछ बुनियादी नियमों का सतत पालन करने का सुखद परिणाम है। इसके विपरीत असफलता कुछ गलतियों को लगातार दुहराने का नतीजा है।

एक नदी अपनी ताकत से नहीं बल्कि अपने सतत प्रयास के कारण चट्टान को काटकर अपना रास्ता बना लेती है। सफलता पाने के लिए जरूरी है कि व्यक्ति लगातार प्रयास करे। लगातार प्रयास करने से ही सफलता प्राप्त होती है।

सफलता का आनंद किसी व्यक्ति की कहानी पढ़ने से नहीं प्राप्त होता है बल्कि उसकी सकारात्मक सोच और उसके विचारों तथा उसके द्वारा निरंतर किए गए प्रयासों को अपने जीवन में उतारने से प्राप्त होता है। सफलता के सारे रहस्य हमारे आस–पास ही छुपे हुए होते हैं। जीवन की व्यस्तता के कारण उन चीजों पर हमारा कभी ध्यान ही नहीं जाता।

हालांकि कुछ लोगों का मानना होता है कि जो किस्मत में लिखा होता है वही होता है। किस्मत से ज्यादा आप कुछ नहीं पा सकते। ईश्वर ने उसकी किस्मत अच्छी बनाई है इसलिए उसने सफलता प्राप्त कर ली। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि हमारे पास पर्याप्त साधन नहीं थे या हमने उच्च शिक्षा हासिल नहीं की, नहीं तो हम भी सफल व्यक्ति होते।

ऐसा बिलकुल नहीं है। सफलता पाने के लिए पर्याप्त साधन होना जरूरी नहीं है। जिनके पास कुछ नहीं था उन्होंने भी जीवन में सफलता हासिल की। दुनिया में ऐसे कई उदाहरण हैं। सफलता पाना न पाना सब हम पर ही निर्भर करता है। सफलता और असफलता सोच पर ही निर्भर करती है। मान लें तो हार होगी और ठान लें तो जीत होगी।

अगर कोई विद्यार्थी किसी परीक्षा में बैठता है और उसके भीतर आत्मविश्वास नहीं होता है, तो निश्चय ही वह असफल हो जाता है या उसकी असफलता की संभावना बढ़ जाती है। सफलता के लिए जीवन आत्मविश्वास से युक्त होना चाहिए। आत्मविश्वास सफलता के लिए सोपान की तरह है। व्यक्ति का आत्मविश्वास उसके द्वारा की गई मेहनत, लगन, साहस और प्रतिबद्धता से बढ़ता है और सफलता के रूप में प्रतिफलित होता है।

प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना पत्रिका के किसी भी भाग का पुनःप्रकाशन नहीं किया जा सकता है।

इस अंक में ...

आयुष्मान भारत योजना
सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल पहल
4

सामयिक मुद्दे
5

मैच पॉइंट
7

समसामयिकी
9

प्रैक्टिस सेट
एसबीआई जूनियर एसोसिएट्स (पीटी)
31

प्रैक्टिस सेट
एसबीआई जूनियर एसोसिएट्स (मुख्य)
56

प्रैक्टिस सेट
आईबीपीएस पीओ (पीटी)
97

प्रैक्टिस सेट
रेलवे (एएलपी और टेक्नीशियन)
110

प्रैक्टिस सेट
एसएससी संयुक्त स्नातक स्तर टियर-I
120

BSC Courses के लिए हमारी वेबसाइट पर संपर्क करें
www.bscacademy.com, www.bsccareer.com
आप ई-मेल कर सकते हैं : ***bscacademy@gmail.com, bscpublication@gmail.com***
फोन ***: 011-22484910, 011-22484911, 011-22484912, 011-22484913***

राष्ट्रीय

केंद्र

राष्ट्रीय पोषण मिशन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 मार्च 2018 को **राजस्थान के झुंझुनू जिले में** राष्ट्रीय पोषण मिशन की शुरुआत की। राष्ट्रीय पोषण मिशन एक शीर्षस्थ निकाय के रूप में मंत्रालयों के पोषण संबंधी हस्तक्षेपों की निगरानी, पर्यवेक्षण, लक्ष्य निर्धारण तथा मार्गदर्शन करेगा।

राष्ट्रीय पोषण मिशन के तहत सभी बच्चों को उचित पोषण मिलना सुनिश्चित किया जाएगा। यह कार्यक्रम लक्ष्यों के माध्यम से ठिगनेपन, अल्प पोषाहार, रक्त की कमी तथा जन्म के समय बच्चे के वजन कम होने के स्तर में कमी के उपाय करेगा।

संबंधित तथ्य

- इसके तहत कुपोषण का समाधान करने हेतु विभिन्न योजनाओं के योगदान का प्रतिचित्रण किया जाएगा।
- अत्यधिक मजबूत अभिसरण तंत्र प्रारंभ किया जाएगा।
- लक्ष्यों को प्राप्त करने वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- आईटी आधारित उपकरणों के प्रयोग के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। आंगनवाड़ी केंद्रों पर बच्चों की ऊंचाई का मापन प्रारंभ किया जाएगा।
- इसके अंतर्गत लोगों को जन आंदोलन के जरिए पोषण पर विभिन्न गतिविधियों आदि के माध्यम से शामिल किया जाएगा व पोषण संसाधन केंद्रों की स्थापना की जाएगी।

उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वायत्तता

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 20 मार्च 2018 को देश भर के **60 शैक्षणिक संस्थानों** को स्वायत्तता प्रदान करने का फैसला लिया। यूजीसी के तय मापदंडों को पूरी तरह से मानने और राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के बाद यह फैसला लिया गया है। स्वायत्तता मिलने के बाद ये संस्थान यूजीसी की अनुमति के बगैर ऑफ कैंपस गतिविधियां, रिसर्च पार्क, कौशल विकास के नए कोर्स और विदेशी छात्रों के प्रवेश के नए नियम बना सकेंगे। विश्वविद्यालय अपनी फीस और बाकी आर्थिक निर्णय खुद कर सकेंगे। यहां तक कि वेतन का निर्धारण और भर्तियों का भी इन्हें अधिकार प्राप्त होगा। स्वायत्त संस्थानों को खुद का पाठ्यक्रम तय करने का भी अधिकार होगा।

यूजीसी द्वारा जिन संस्थानों को स्वायत्तता दी गई है उनमें 5 केंद्रीय विश्वविद्यालय, 21 राज्य विश्वविद्यालय, 24 डीम्ड विश्वविद्यालय, 2 निजी विश्वविद्यालय और 8 महाविद्यालय शामिल हैं।

स्वायत्तता प्राप्त संस्थान

- **केंद्रीय विश्वविद्यालय :** जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद और इंग्लिश और फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी, तेलंगाना।
- **राज्य विश्वविद्यालय :** जाधवपुर यूनिवर्सिटी (कोलकाता), अलगप्पा यूनिवर्सिटी (तमिलनाडु), नाल्सर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ (तेलंगाना), सावित्री वाई फुले विश्वविद्यालय (पुणे), आंध्र यूनिवर्सिटी (विशाखापट्टम) व नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (दिल्ली) इत्यादि।
- **निजी विश्वविद्यालय :** ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी, सोनीपत और पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी, गुजरात।

बाल आधार

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों हेतु **नीले रंग** का 'बाल आधार' कार्ड जारी करने की घोषणा की है। **पांच वर्ष से कम** आयु के बच्चे का आधार कार्ड बनवाने हेतु माता या पिता में से किसी एक का आधार नंबर और बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र आवश्यक होगा। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चे का आधार कार्ड बनवाने में बायोमेट्रिक विवरण की आवश्यकता नहीं है, किन्तु फोटो की आवश्यकता होगी। बच्चे की उम्र पांच वर्ष से अधिक होने पर उसका सत्यापन करवाना होगा। पांच वर्ष से अधिक आयु के बच्चे के लिए आधार में पंजीकरण करवाना होगा। इसके बाद जब बच्चा 15 वर्ष का हो जाएगा तो उसे एक बार पुनः सामान्य आधार से अपडेट करना होगा।

रेशम उद्योग के लिए एकीकृत योजना

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 21 मार्च 2018 को 2017–18 से 2019–20 तक अगले तीन वर्षों के लिए रेशम उद्योग के विकास हेतु एकीकृत योजना को मंजूरी दे दी। इन तीन वर्षों में योजना के कार्यान्वयन के लिए **2161.68 करोड़ रुपए** के कुल आबंटन की मंजूरी दी गई है। यह योजना केन्द्रीय सिल्क बोर्ड (सीएसबी) के माध्यम से वस्त्र मंत्रालय द्वारा लागू की जाएगी। इस योजना से रेशम का उत्पादन 2016–17 के 30,348 मेट्रिक टन के स्तर से बढ़कर 2019–20 की समाप्ति तक **38,500 मेट्रिक टन** होने की उम्मीद है।

इस योजना का मकसद शोध एवं विकास, तकनीकी उन्नयन और कौशल गुणवत्ता में सुधार के माध्यम से रेशम उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाना है। वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत संबंधित मंत्रालयों की एक अंतर मंत्रालयी समिति गठित की जाएगी, जो शोध और विकास के लिए एक हजार करोड़ रुपए की धनराशि संवितरित करेगी।

बीज उत्पादन इकाइयों को उपकरणों की आपूर्ति की जाएगी और उन्हें सुदढ़ किया जाएगा। डिजिटल इंडिया के अंतर्गत बीज उत्पादन तथा अन्य गतिविधियों में संलग्न किसानों को वेब आधारित समाधान

शीघ्र सब्सक्राइब करें! "बैंकिंग सर्विसेज़ क्रॉनिकल"

कपया इस कूपन को काटकर अपने भुगतान के साथ हमें मेल करें।

हाँ! मुझे मेरा "बैंकिंग सर्विसेज़ क्रॉनिकल" भेजें

16.5% छूट के साथ 3 महीनों के लिए अर्थात् ₹125/- ☐ 25% छूट के साथ 6 महीनों के लिए अर्थात् ₹225/- ☐

30% छूट के साथ 1 वर्ष के लिए अर्थात् ₹420/- ☐

नाम :..... **आयु :**.....

पता :.....

.....

.....

राज्य :..... **पिन :**.....

मोबाइल नं.:..... **ई-मेल:**.....

नोट : *यह आवश्यक है कि आप अपना मोबाइल नं. या ई-मेल (कम से कम दो में से कोई एक) हमें दें। इसके उपरांत ही सब्सक्रिप्शन के लिए आपके अनुरोध को स्वीकार किया जाएगा।*

सब्सक्रिप्शन दर (प्रति वर्ष 12 अंक) NEWS STAND @ ₹50/-

समयावधि	**तीन माह**	**छः माह**	**एक वर्ष**
News stand	₹150.00	₹300.00	₹600.00
आपको भुगतान करना है	₹125.00	₹225.00	₹420.00

मैं "**BSC Publishing Co. Pvt. Ltd.**" payable at **Delhi** के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट (डी.डी.)/मनीऑडर नं. .....दिनांक..... राशि ₹..... बैंक का नाम .....संलग्न कर रहा/रही हूं।

इसे सब्सक्रिप्शन मैनेजर, **BSC PUBLISHING CO. PVT. LTD.,** सी–37, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्ली–110092 के पास भेजें। सब्सक्रिप्शन प्रारंभ करने के लिए कपया हमें 4-6 सप्ताह का समय दें। पत्रिका प्रतिमाह साधारण डाक से आपको भेजी जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए हमें **bscpublication@gmail.com** पर ई–मेल करें।